

## अनुलग्नक-4 अनुलग्नक

### स्टॉक ब्रोकरों, सब-ब्रोकरों तथा ग्राहकों के अधिकार एवं दायित्व SEBI एवं स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा निर्धारित

1. ग्राहक एक्सचेंजों/भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (SEBI) के नियमों, उप-नियमों और विनियमों एवं समय-समय पर जारी परिपत्रों/नोटिसों में दी गई परिभाषा के अनुसार एक्सचेंजों में/पर सौदा करने के लिए प्रस्तुत की गई उन प्रतिभूतियों/कांट्रैक्ट्स (अनुबंधों)/अन्य विलेखों (इंस्ट्रुमेंट्स) में निवेश/ट्रेड करेगा।
2. स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर और ग्राहक समय समय पर प्रभावी हो सकने वाले एक्सचेंज द्वारा जारी सभी नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों तथा उनके अंतर्गत जारी किए गए परिपत्रों/नोटिसों तथा SEBI के नियमों एवं विनियमों एवं सरकारी प्राधिकारियों की अधिसूचनाओं का अनुपालन करने के लिए बाध्य होंगे।
3. ग्राहक प्रतिभूतियों में सौदा करने और/या डेरिवेटिव कांट्रैक्ट्स में सौदा करने के लिए स्टॉक ब्रोकर की क्षमता से संतुष्ट होगा और स्टॉक ब्रोकर के माध्यम से अपने आदेशों को निष्पादित करने की इच्छा रखता है, और ग्राहक समय-समय पर स्टॉक ब्रोकर के माध्यम से आदेशों को निष्पादित करने से पहले उसकी क्षमता से स्वयं को संतुष्ट करता रहेगा।
4. स्टॉक ब्रोकर लगातार ग्राहक की वास्तविकता एवं वित्तीय मजबूती एवं दी जाने वाली सेवाओं के अनुसार निवेश उद्देश्यों के बारे में स्वयं को संतुष्ट करेगा।
5. स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को स्टॉक ब्रोकर की कार्य सीमा, देयता या क्षमता सहित किए जाने वाले व्यवसाय के लिए स्टॉक ब्रोकर की देयता की निर्धारित प्रकृति के बारे में जानकारी देने के लिए कदम उठाएगा।
6. सब-ब्रोकर ग्राहक के साथ सभी सौदों में स्टॉक ब्रोकर को आवश्यक सहायता एवं सहयोग प्रदान करेगा।

#### ग्राहक के बारे में जानकारी

7. ग्राहक वे सभी विवरण समय-समय पर स्टॉक एक्सचेंजों/SEBI द्वारा अनिवार्य समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करेगा जो स्टॉक ब्रोकर के लिए "खाता खोलने के फॉर्म" में दिया जाना आवश्यक है।
8. ग्राहक, खाता खोलने के लिए आवश्यक दस्तावेजों में सभी अनिवार्य प्रावधानों के बारे में जानेगा। ग्राहक द्वारा स्वीकृत नियम एवं शर्तों के अनुसार स्टॉक ब्रोकर द्वारा निर्दिष्ट कोई भी अतिरिक्त उपबंध या दस्तावेज गैर-जरूरी होगा।
9. ग्राहक समाप्ति आवेदन/ऋणशोधन आवेदन या किसी भी अभियोग सहित - जिसका उसकी क्षमता पर कोई भी प्रभाव हो सकता है- खाता खोलने के समय या उसके बाद 'खाता खोलने के फॉर्म' में दी गई जानकारी में कोई भी परिवर्तन होने पर तुरंत ही स्टॉक ब्रोकर को लिखित में सूचित करेगा। ग्राहक आवधिक आधार पर स्टॉक ब्रोकर को वित्तीय जानकारी प्रदान करेगा/अद्यतित करेगा।
10. स्टॉक ब्रोकर एवं सब-ब्रोकर खाता खोलने के फॉर्म में दिए गए सभी विवरणों या ग्राहक से संबंधित अन्य सभी जानकारी को गुप्त रखेंगे और वे किसी विशेष कानूनी/विनियामक आवश्यकताओं के अंतर्गत आवश्यक होने के अलावा किसी व्यक्ति/प्राधिकारी के समक्ष इसका खुलासा नहीं करेंगे। बशर्ते हालांकि स्टॉक ब्रोकर ग्राहक की सहमति से उसकी जानकारी को किसी भी व्यक्ति या प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

#### मार्जिन

11. ग्राहक लागू प्रारंभिक मार्जिन, काटी हुई मार्जिन, विशेष मार्जिन या ऐसे अन्य सभी मार्जिनों का भुगतान करेगा जिन्हें स्टॉक ब्रोकर या एक्सचेंज द्वारा आवश्यक माना जाता है या जैसा समय समय पर ग्राहक द्वारा ट्रेड किए जाने वाले सेगमेंटों पर लागू SEBI के दिशानिर्देशों के अनुसार आवश्यक माना जाता है। स्टॉक ब्रोकर को अपने एकमात्र और पूर्ण विवेक में अतिरिक्त मार्जिन एकत्र करने की अनुमति है (भले ही एक्सचेंज, समाशोधन गृह (क्लियरिंग हाउस)/समाशोधन निगम (क्लियरिंग कॉर्पोरेशन) या SEBI द्वारा आवश्यक न हो) और ग्राहक निर्धारित समय के भीतर ऐसे मार्जिनों का भुगतान करने के लिए बाध्य होगा।

12. ग्राहक समझता है कि ग्राहक द्वारा मार्जिन का भुगतान आवश्यक रूप से सभी बकायों की पूर्ति नहीं करता है। लगातार मार्जिनों का भुगतान करने के बावजूद भी ग्राहक, अपने ट्रेड के निपटान पर, अनुबंध के अनुसार निर्दिष्ट/आवश्यक उन सभी राशियों का भुगतान करने के लिए बाध्य (या प्राप्त करने का हकदार) है।

### **लेनदेन एवं निपटान**

13. ग्राहक प्रतिभूति/डेरिवेटिव कंट्रैक्ट की खरीद या बिक्री के लिए कोई भी आदेश लिखित में या उस अन्य रूप या तरीके से देगा जिस पर ग्राहक एवं स्टॉक ब्रोकर परस्पर सहमत हों। स्टॉक ब्रोकर केवल उस ग्राहक को आवंटित अद्वितीय ग्राहक कोड में आदेश देना और ट्रेडों को निष्पादित करना सुनिश्चित करेगा।
14. स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को ट्रेडिंग/निपटान चक्र, डिलीवरी/भुगतान अनुसूची, उसमें समय-समय पर होने वाले परिवर्तनों के बारे में सूचित करेगा और उसे इसके बारे में अवगत कराता रहेगा, और उस प्रासंगिक स्टॉक एक्सचेंज की ऐसी अनुसूचियों/प्रक्रियाओं का पालना करना ग्राहक की जिम्मेदारी होगी जहां ट्रेड निष्पादित किया गया है।
15. स्टॉक ब्रोकर यह सुनिश्चित करेगा कि ग्राहक द्वारा जमा किए गए धन/प्रतिभूतियों को अलग खाते में रखा जाएगा जो उसके अपने खाते या किसी अन्य ग्राहक के खाते से अलग हो और इसे स्टॉक ब्रोकर द्वारा स्वयं के लिए या किसी अन्य ग्राहक के लिए या SEBI के नियमों, विनियमों, परिपत्रों, नोटिसों, दिशानिर्देशों और/या एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों, परिपत्रों एवं नोटिसों में उल्लिखित उद्देश्य के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जाएगा।
16. जहां एक्सचेंज अपनी ओर से ट्रेड (ट्रेडों) को रद्द करता है तो ग्राहक की ओर से किए गए ट्रेड/ट्रेडों सहित ऐसे सभी ट्रेड स्वतः ही रद्द को जाएंगे, स्टॉक ब्रोकर ग्राहक(कों) के साथ संबंधित कांट्रैक्ट (कांट्रैक्ट्स) को रद्द करने का हकदार होगा।
17. एक्सचेंज पर निष्पादित किए गए लेनदेन नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों तथा उन एक्सचेंजों द्वारा जारी परिपत्रों/नोटिसों के विषयाधीन हैं जहां ट्रेड निष्पादित किया गया है और ऐसे ट्रेड के सभी पक्षों को उन एक्सचेंजों के उप-नियमों एवं विनियमों द्वारा निर्दिष्ट ऐसे न्यायालय के न्यायिक क्षेत्र में प्रस्तुत करना होगा जहां ट्रेड को एक्सचेंजों के नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों के प्रावधानों और उसके अंतर्गत जारी परिपत्रों/नोटिसों को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से निष्पादित किया जाता है।

### **ब्रोकरेज (दलाली)**

18. ग्राहक को स्टॉक ब्रोकर के लिए ब्रोकरेज एवं सांविधिक लेवी का भुगतान करना होगा जो समय समय पर प्रचलित होते हैं और जो ग्राहक के खाते, लेनदेनों एवं उन सेवाओं के लिए लागू होते हैं जिन्हें स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को प्रदान करता है। स्टॉक ब्रोकर संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों के नियमों, विनियमों एवं उप-नियमों और/या SEBI के नियमों एवं विनियमों के अनुसार मान्य अधिकतम ब्रोकरेज से अधिक ब्रोकरेज प्रभारित नहीं करेगा।

### **स्थिति का परिसमापन एवं बंद करना (पॉजिशन का लिक्विडेशन और क्लोज़-आउट)**

19. स्टॉक ब्रोकर के अन्य अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना (किसी भी मामले को मध्यस्थता के लिए भेजने के अधिकार सहित), ग्राहक समझता है कि स्टॉक ब्रोकर मार्जिन या अन्य राशियों, बकाया ऋण आदि का भुगतान न करने पर ग्राहक की स्थितियों में से एक या सभी का परिसमापन/बंद करने के लिए हकदार होगा और ग्राहक की देनदारियों/बाध्यताओं के एवज में, ऐसे परिसमापन/समाप्ति से प्राप्त आय को समायोजित करने का हकदार होगा। इस तरह के परिसमापन/समाप्ति के कारण होने वाली कोई एक और सभी हानियां एवं वित्तीय प्रभार ग्राहक द्वारा वहन किए जाएंगे।
20. ग्राहक की मृत्यु या दिवालिया होने की स्थिति में या ग्राहक द्वारा उन प्रतिभूतियों को प्राप्त करने या उनके लिए भुगतान करने या उन्हें सुपूर्द करने या स्थानांतरित करने में असमर्थ होने की घटना में जिसे उसने खरीदने या बेचने के लिए आदेश दिया है, स्टॉक ब्रोकर ग्राहक की संपत्ति के खिलाफ ग्राहक के लेनदेनों को बंद कर सकता है और हानियों का दावा कर सकता है, यदि कोई हो। ग्राहक या उसके नामिती, वारिस, उत्तराधिकारी एवं समनुदेशिती (असाइनी) उसके परिणामस्वरूप होने वाले किसी भी अधिशेष (लाभ) को प्राप्त करने के लिए हकदार होंगे। ग्राहक को ध्यान देना चाहिए कि एक नामिती के पक्ष में निधियों/प्रतिभूतियों का अंतरण कानूनी वारिस के खिलाफ स्टॉक ब्रोकर द्वारा मान्य तरीके से चुकाया जाएगा।
21. स्टॉक ब्रोकर एक ग्राहक द्वारा भुगतान/वितरण में चूक एवं संबंधित पहलुओं के बारे में जानकारी को संबंधित एक्सचेंज के संज्ञान में लाएगा। यदि दोषी ग्राहक एक निगमित इकाई/साझेदारी/स्वामित्व फर्म या कोई अन्य कृत्रिम कानूनी इकाई है तो

मामले के अनुसार निदेशक(कों)/प्रोमोटर(रों)/स्वामी के नाम(मों) के बारे में भी स्टॉक ब्रोकर द्वारा संबंधित एक्सचेंज(जों) को सूचित किया जाएगा।

### **विवाद निपटान**

22. स्टॉक ब्रोकर संबंधित एक्सचेंजों एवं SEBI के प्रासंगिक संपर्क विवरण ग्राहक को प्रदान करेगा।
23. स्टॉक ब्रोकर अपने माध्यम से किए जाने वाले सभी लेनदेनों के संबंध में और शेयरों के खराब वितरण, खराब वितरण के परिशोधन आदि के लिए आपत्तियों को हटाने के संबंध में ग्राहक की शिकायतों का निवारण करने में सहयोग करेगा।
24. ग्राहक एवं स्टॉक ब्रोकर जमा, मार्जिन धनराशि आदि के संदर्भ में किसी भी दावे और या विवादों को उन एक्सचेंजों के समय समय पर प्रभावी हो सकने वाले नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों और उसके अंतर्गत जारी परिपत्रों/नोटिसों के अनुसार मध्यस्थता के लिए प्रस्तुत करेंगे जहां ट्रेड को निष्पादित किया गया है।
25. स्टॉक ब्रोकर अपने और ग्राहक के बीच होने वाले लेनदेनों से उत्पन्न होने वाली किसी भी मध्यस्थता की कार्यवाही का त्वरित निपटान सुनिश्चित करेगा और वह इस तरह की कार्यवाही में दिए जाने वाले मध्यस्थता अधिनिर्णयों को लागू करने के लिए उत्तरदायी होगा।
26. ग्राहक/स्टॉक ब्रोकर समझता है कि विवाद समाधान के लिए ग्राहक/स्टॉक-ब्रोकर के एक अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा जारी निर्देश, यदि कोई हो, कथित प्रतिनिधि को कथित ग्राहक/स्टॉक ब्रोकर की ओर से सौदा करने के लिए अधिकृत करते हुए पत्र के अनुसार ग्राहक/स्टॉक ब्रोकर पर लागू होंगे।

### **संबंध की समाप्ति**

27. स्टॉक ब्रोकर और ग्राहक के बीच यह संबंध समाप्त हो जाएगा; यदि स्टॉक ब्रोकर के डिफॉल्ट, मृत्यु, इस्तीफे या निष्कासन के कारण सदस्यता की समाप्ति सहित किसी भी कारण से स्टॉक ब्रोकर शेयर बाजार का सदस्य नहीं रहता है या प्रमाण पत्र बोर्ड द्वारा रद्द कर दिया जाता है।
28. स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर एवं ग्राहक अन्य पक्षों को कम से कम एक महीने पूर्व लिखित सूचना देने के बाद, दूसरे पक्ष को कोई कारण बताए बिना उन दोनों के बीच संबंध समाप्त करने के हकदार होंगे। किसी भी तरह की समाप्ति के बावजूद, इस संबंध की समाप्ति से पूर्व किए गए लेनदेनों के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाले या उनसे संबंधित सभी अधिकारों, देयताओं और दायित्वों/बाध्यताओं का निर्वाह किया जाना जारी रहेगा, जो मामले के अनुसार, संबंधित पक्षों और उनके संबंधित उत्तराधिकारियों, वारिसों, प्रशासकों, कानूनी प्रतिनिधियों या उत्तराधिकारियों पर लागू होगा।
29. सब ब्रोकर के निधन/दिवालिया होने, या बोर्ड के साथ उसका पंजीकरण रद्द होने या/स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सब-ब्रोकर की मान्यता छिनने और/या स्टॉक ब्रोकर द्वारा सब-ब्रोकर के साथ अनुबंध की समाप्ति की घटना में, किसी भी कारण के लिए ग्राहक को ऐसी समाप्ति के बारे में सूचित करना होगा और ग्राहक को स्टॉक ब्रोकर का प्रत्यक्ष ग्राहक होना चाहिए और स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर एवं ग्राहक को शासित करने वाले 'अधिकार एवं दायित्व' दस्तावेज(जों) में सभी उपबंध समान रूप से लागू होंगे, जब तक ग्राहक एक महीने से अधिक के लिए लिखित में एक नोटिस देकर उनके संबंध को समाप्त करने के अपने इरादे के बारे में स्टॉक ब्रोकर को सूचित नहीं करता है।

### **अतिरिक्त अधिकार एवं दायित्व**

30. स्टॉक ब्रोकर अपने माध्यम से किए जाने वाले लेनदेनों के संबंध में लाभांशों, अधिकारों या बोनस शेयरों आदि के लिए ग्राहक के अधिकारों के संबंध में ग्राहक के लिए आवश्यक सुरक्षा सुनिश्चित करेगा और कुछ भी ऐसा नहीं करेगा जिससे उसके साथ ग्राहक के हितों को नुकसान पहुंचने की संभावना है और जिसके लिए उन्होंने प्रतिभूतियों में लेनदेन किया हो सकता है।
31. स्टॉक ब्रोकर और ग्राहक समय समय पर SEBI एवं उन प्रासंगिक एक्सचेंजों द्वारा जारी नियमों, विनियमों, उप-नियमों, परिपत्रों, नोटिसों एवं दिशानिर्देशों के अनुसार अपने खतों का मिलान करेंगे और निपटान करेंगे जहां ट्रेड निष्पादित किया गया है।

32. स्टॉक ब्रोकर अपने घटकों के लिए आदेश संख्या, ट्रेड संख्या, ट्रेड समय, ट्रेड मूल्य, ट्रेड मात्रा, डेरिवेटिव कंट्रैक्ट के विवरण, ग्राहक कोड, ब्रोकरेज, सभी लागू प्रभार आदि एवं इस तरह से तथा एक्सचेंज द्वारा निर्धारित ऐसे समय पर एवं उसमें भरने के लिए आवश्यक अन्य सभी आवश्यक विवरणों के साथ सभी लेनेदेनों के रिकार्डों सहित समय समय पर एक्सचेंज द्वारा निर्धारित ऐसे प्रारूप में निष्पादित ट्रेडों के लिए कंट्रैक्ट नोट जारी करेगा। स्टॉक ब्रोकर मुद्रित प्रति में और/या डिजिटल हस्ताक्षर का उपयोग कर इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में ट्रेडों के निष्पादन से एक कार्य दिवस के भीतर निवेशकों को कंट्रैक्ट नोट भेजेगा।
33. स्टॉक ब्रोकर को मामले के अनुसार, उस प्रासंगिक एक्सचेंज से प्राप्त भुगतान की प्राप्ति से एक कार्य दिवस के भीतर ग्राहक को निधियों या प्रतिभूतियों की डिलीवरी के लिए भुगतान करना होगा जहां ट्रेड निष्पादित किया जाता है जब तक कि या तो ग्राहक द्वारा निर्दिष्ट न किया गया हो और उस एक्सचेंज द्वारा समय समय पर निर्धारित नियमों एवं शर्तों के विषयाधीन न हो।
34. स्टॉक ब्रोकर समय-समय पर उस एक्सचेंज द्वारा निर्धारित समय के भीतर ऐसी अवधि और प्रारूप में अपने ग्राहकों में से प्रत्येक के संबंध में निधियों और प्रतिभूतियों दोनों के लिए 'खाता विवरण' भेजेगा जहां ट्रेड निष्पादित किया जाता है। विवरण यह भी बताएगा कि ग्राहक, स्टॉक ब्रोकर से विवरण की प्राप्ति से समय समय पर, उस एक्सचेंज द्वारा निर्धारित समय के भीतर गलतियों, यदि कोई हो, की सूचना देगा जहां ट्रेड निष्पादित किया गया था।
35. स्टॉक ब्रोकर ग्राहकों के लिए दैनिक मार्जिन विवरण भेजेगा। दैनिक मार्जिन विवरण में नकदी, सावधि जमा रसीद (FDR), बैंक गारंटी एवं प्रतिभूतियों से संबंध में ब्रेक-अप के साथ अन्य बातों के साथ संपार्श्विक (कोलेटरल) जमा, प्रयुक्त संपार्श्विक एवं संपार्श्विक स्थिति (ग्राहक से प्राप्त बैलेंस/बकाया) का विवरण शामिल होना चाहिए।
36. ग्राहक यह सुनिश्चित करेगा कि उसके पास स्टॉक ब्रोकर के साथ संबंध में प्रवेश करने के लिए अपेक्षित कानूनी क्षमता है और वह ऐसा करने के लिए अधिकृत है, और वह इसके अंतर्गत अपने दायित्वों और कार्यों का प्रदर्शन करने में सक्षम है। सभी लेनदेनों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए किए जाने वाले सभी आवश्यक कार्य जिनमें ग्राहक प्रवेश कर सकते हैं, इस तरह के लेनदेन में प्रवेश करने से पहले ग्राहक द्वारा पूर्ण किए जाएंगे।

### **इलेक्ट्रॉनिक कंट्रैक्ट नोट (ECN)**

37. यदि ग्राहक इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में कंट्रैक्ट नोट प्राप्त करना चयन करता है तो उसे स्टॉक ब्रोकर को एक उपयुक्त ईमेल आईडी उपलब्ध करानी होगी। ग्राहक को ईमेल आईडी में किसी भी परिवर्तन से एक भौतिक पत्र के माध्यम से स्टॉक ब्रोकर को सूचित करना होगा। यदि ग्राहक ने इंटरनेट ट्रेडिंग का चयन किया है तो ईमेल आईडी के परिवर्तन के लिए अनुरोध ग्राहक विशिष्ट उपयोगकर्ता आईडी एवं पासवर्ड के तरीके से सुरक्षित पहुंच के माध्यम से किया जा सकता है।
38. स्टॉक ब्रोकर यह सुनिश्चित करेगा कि ईमेल के माध्यम से भेजे जाने वाले सभी ECN डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित, एन्क्रिप्टेड, छेड़छाड़ किए जाने से अक्षम एवं IT अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के अनुपालन में होंगे। यदि ECN को एक अनुलग्नक के रूप में ईमेल के माध्यम से भेजा जाता है तो संलग्न फाइल भी डिजिटल हस्ताक्षर के साथ एन्क्रिप्टेड एवं छेड़छाड़ किए जाने से अक्षम रूप में सुरक्षित की जाएगी।
39. ग्राहक को ध्यान देना चाहिए कि स्टॉक ब्रोकर द्वारा बाउंस मेल सूचना प्राप्त न होने पर ग्राहक की ईमेल आईडी पर कंट्रैक्ट नोट की सुपुर्दगी सुनिश्चित होगी।
40. स्टॉक ब्रोकर IT अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के अनुपालन में एवं समय समय पर SEBI/स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा निर्धारित मौजूदा नियमों/विनियमों/परिपत्रों/दिशानिर्देशों के अनुसार एक्सचेंज द्वारा निर्धारित तरीके से सॉफ्ट एवं टेंपर किए जाने से अक्षम प्रारूप में ECN और ईमेल की पावती अपने पास रखेगा। सुपुर्दगी का साक्ष्य यानी कंट्रैक्ट नोट भेजने के समय सिस्टम द्वारा जनरेटेड लॉग रिपोर्ट, SEBI/स्टॉक एक्सचेंजों के मौजूदा विनियमों के तहत निर्दिष्ट अवधि के लिए स्टॉक ब्रोकर द्वारा रखी जाएगी। लॉग रिपोर्ट उन कंट्रैक्ट नोट्स के विवरण प्रदान करेगी जो ग्राहक को प्राप्त नहीं हुए हैं/ईमेल अस्वीकृत हुई है या वापस आ गई है। स्टॉक ब्रोकर हर बार SEBI/स्टॉक एक्सचेंजों के मौजूदा विनियमों के तहत निर्धारित समयावधि के भीतर उसके द्वारा बाउंस होने वाली ईमेलों की सूचना की प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव कदम उठाएगा।

41. स्टॉक ब्रोकर ऐसे ग्राहकों के लिए भौतिक तरीके से कंट्रैक्ट नोट भेजना जारी रखेगा जिन्होंने इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में कंट्रैक्ट नोट प्राप्त करना नहीं चुना है। जहां ECN ग्राहक तक नहीं पहुंचता है या ग्राहक की ईमेल आईडी से (ईमेल वाउंस) अस्वीकृत हो जाता है वहां स्टॉक ब्रोकर SEBI/स्टॉक एक्सचेंजों के मौजूदा विनियमों के तहत निर्धारित समय के भीतर ग्राहक को एक भौतिक कंट्रैक्ट नोट भेजेगा और इस तरह के भौतिक कंट्रैक्ट नोट्स की सुपुर्दगी का साक्ष्य बनाए रखेगा।
42. ग्राहक को ECN के ईमेल संचार के अतिरिक्त, स्टॉक ब्रोकर सुरक्षित तरीके से अपनी निर्दिष्ट वेबसाइट पर, यदि कोई हो, समान समय में ECN प्रकाशित करेगा और ग्राहकों को उस पर उपयुक्त पहुंच के लिए सक्षम करेगा और इस उद्देश्य के लिए वह ग्राहक को अनुबंध नोट को इलेक्ट्रॉनिक रूप से सहेजने और प्रिंट आउट लेने के विकल्प के साथ एक अद्वितीय उपयोगकर्ता नाम एवं पासवर्ड उपलब्ध कराएगा।

### **कानून एवं न्यायिक क्षेत्र**

43. इस दस्तावेज में वर्णित विशेषाधिकारों के अलावा, स्टॉक ब्रोकर, सब-ब्रोकर एवं ग्राहक किसी भी अन्य अधिकार का प्रयोग करने के लिए हकदार होंगे जो स्टॉक ब्रोकर या ग्राहक को उन एक्सचेंज के नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों जिसमें ग्राहक ट्रेड करने के लिए चयन करता है, तथा SEBI के नियमों एवं विनियमों के अंतर्गत जारी किए गए परिपत्रों/नोटिसों के तहत दिया गया हो सकता है।
44. इस दस्तावेज के प्रावधान हमेशा सरकारी अधिसूचनाओं, किसी भी नियम, विनियम, दिशानिर्देश तथा SEBI द्वारा जारी परिपत्र/नोटिसों, और उन स्टॉक एक्सचेंजों के नियमों, विनियमों एवं उप-नियमों के विषयाधीन होंगे जहां ट्रेड निष्पादित किया जाता है, और जो समय समय पर प्रभावी हो सकते हैं।
45. स्टॉक ब्रोकर एवं ग्राहक, मध्यस्थता एवं समझौता अधिनियम, 1996 के तहत मध्यस्थ(थों) द्वारा पारित किसी भी अधिनिर्णयों का पालन करने के लिए बाध्य होंगे। हालांकि यदि पार्टी मध्यस्थता अधिनिर्णय से संतुष्ट नहीं है तो स्टॉक एक्सचेंजों के भीतर अपील का प्रावधान भी है।
46. शब्द एवं तात्पर्य/भाव जिनका इस दस्तावेज में उपयोग किया गया है किंतु यहां परिभाषित नहीं है, जब तक संदर्भ के अन्यथा अपेक्षित न हो, नियमों, उप-नियमों एवं विनियमों तथा एक्सचेंजों/SEBI द्वारा उसके तहत जारी परिपत्रों/नोटिसों में दिए गए अर्थ के समान अर्थ वाला माना जाएगा।
47. स्टॉक ब्रोकर द्वारा जोड़े गए सभी अतिरिक्त स्वैच्छिक उपबंध/दस्तावेज, एक्सचेंजों/SEBI के नियमों/विनियमों/नोटिसों/परिपत्रों के उल्लंघन वाले नहीं होने चाहिए। ऐसे स्वैच्छिक उपबंधों/दस्तावेज(जों) में किसी भी परिवर्तन के लिए 15 दिन पहले सूचना दी जानी चाहिए। एक्सचेंजों/SEBI द्वारा निर्दिष्ट अधिकारों एवं दायित्वों में किसी भी परिवर्तन के बारे में ग्राहकों को भी अवगत कराया जाएगा।
48. यदि यहां पक्षों के अधिकारों एवं दायित्वों को SEBI के नियमों एवं विनियमों या उन स्टॉक एक्सचेंजों के उप-नियमों, नियमों एवं विनियमों में बदलाव के आधार पर बदला जाता है जहां ट्रेड निष्पादित किया जाता है, तो ऐसे परिवर्तनों को इस दस्तावेज में उल्लिखित पक्षों के अधिकारों और दायित्वों के संशोधन में शामिल किया हुआ माना जाएगा।

**स्टॉक ब्रोकरों द्वारा ग्राहक को प्रदान की गई इंटरनेट एवं वायरलेस तकनीक आधारित ट्रेडिंग सुविधा (‘अधिकार एवं दायित्व’ दस्तावेज(जों) में वर्णित सभी खंड/उपबंध लागू होंगे। इसके अलावा, इसके अंतर्गत उल्लिखित खंड/उपबंध भी लागू होंगे।)**

1. स्टॉक ब्रोकर वायरलेस तकनीक के उपयोग के माध्यम से इंटरनेट आधारित ट्रेडिंग (IBT) एवं प्रतिभूति ट्रेडिंग प्रदान करने के लिए प्रात्र है जिनमें मोबाइल फोन, डेटा कार्ड के साथ लैपटॉप, आदि उपकरणों का उपयोग शामिल होगा जिनमें इंटरनेट प्रोटोकॉल (IP) का उपयोग होता है। स्टॉक ब्रोकर SEBI और एक्सचेंजों द्वारा समय समय पर निर्दिष्ट किए गए अनुसार वायरलेस तकनीक का उपयोग करके इंटरनेट आधारित ट्रेडिंग/प्रतिभूति ट्रेडिंग के लिए लागू सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा।
2. ग्राहक प्रतिभूतियों में निवेश/ट्रेडिंग करने का इच्छुक है और इस उद्देश्य के लिए ग्राहक या तो इंटरनेट आधारित ट्रेडिंग सुविधा या वायरलेस तकनीक के उपयोग के माध्यम से प्रतिभूतियों की ट्रेडिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए इच्छुक है। स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को स्टॉक ब्रोकर की IBT सेवा प्रदान करेगा और ग्राहक स्टॉक ब्रोकर की IBT सेवा का लाभ उठाएगा जो SEBI/एक्सचेंजों के प्रावधानों और नियमों तथा स्टॉक ब्रोकर की IBT वेबसाइट पर निर्दिष्ट शर्तों के विषयाधीन है बशर्ते कि वे एक्सचेंजों/SEBI द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार हों।
3. स्टॉक ब्रोकर वायरलेस तकनीक/इंटरनेट/स्मार्ट आर्डर रूटिंग या किसी भी अन्य तकनीक के माध्यम से प्रतिभूतियों की ट्रेडिंग से जुड़ी सुविधाओं, जोखिमों, जिम्मेदारियों, दायित्वों एवं देनदारियों के बारे में ग्राहक को अवगत कराएगा।
4. स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को इसके बारे में अवगत कराएगा कि स्टॉक ब्रोकर का IBT सिस्टम प्रारंभिक पासवर्ड जनरेट करता है और इसकी पासवर्ड नीति एक्सचेंजों/SEBI द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार है।
5. ग्राहक उपयोगकर्ता नाम और पासवर्ड को गोपनीय एवं सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेदार होगा और ऐसे व्यक्ति द्वारा स्थापित किए गए सभी आदेशों एवं लेनदेन के प्रति पूर्णरूपेण जिम्मेदार होगा जिसने ग्राहक के उपयोगकर्ता नाम और/या पासवर्ड का उपयोग करते हुए स्टॉक ब्रोकर के IBT सिस्टम के माध्यम से इन्हें संपन्न किया हो, चाहे वह व्यक्ति ऐसा करने के लिए अधिकृत हो या न हो। इसके अलावा ग्राहक यह भी जानता है कि आदेश रूटेड (अनुमार्गण) सिस्टम के माध्यम से वायरलेस तकनीक द्वारा इंटरनेट ट्रेडिंग/प्रतिभूति ट्रेडिंग के लिए प्रमाणीकरण तकनीकों एवं सखत सुरक्षा मानदंडों की आवश्यकता होती है और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाता है कि ग्राहक और या उसके अधिकृत प्रतिनिधि का पासवर्ड स्टॉक ब्रोकर के कर्मचारियों एवं डीलरों सहित किसी भी तृतीय पक्ष को पता नहीं चलता है।
6. ग्राहक इस बारे में तत्काल स्टॉक ब्रोकर को लिखित में सूचित करेगा यदि वह अपना पासवर्ड भूल जाता है, उसे स्टॉक ब्रोकर के IBT सिस्टम में सुरक्षा खामी का पता चलता है, ऐसे अनधिकृत उपयोग, तिथि, तरीके और ऐसे अनधिकृत उपयोग से प्रभावित लेनेदेनों आदि की पूरी जानकारी के साथ अपने उपयोगकर्ता नाम/पावर्ड/खाते के माध्यम से विसंगतियों/अनधिकृत उपयोग का संदेह होता है/पता चलता है।
7. ग्राहक वायरलेस तकनीक के माध्यम से इंटरनेट/प्रतिभूति ट्रेडिंग से आर्डर रूट करने के लिए सेवा का लाभ उठाने के साथ जुड़े जोखिमों के बारे में पूर्णतया अवगत है और समझता है तथा ग्राहक किसी भी प्रकार से ग्राहक के उपयोगकर्ता नाम/पासवर्ड में किए गए सभी कृत्यों के लिए पूर्णतया उत्तरदायी एवं जिम्मेदार होगा।
8. स्टॉक ब्रोकर ग्राहक को उसके अनुरोध पर ईमेल के माध्यम से ऑर्डर/ट्रेड पुष्टिकरण भेजेगा। ग्राहक जानता है कि ऑर्डर/ट्रेड पुष्टिकरण वेब पोर्टल पर भी उपलब्ध कराया जाता है। यदि ग्राहक वायरलेस तकनीक का उपयोग करके ट्रेड कर रहा है तो स्टॉक ब्रोकर ग्राहक के उपकरण पर ऑर्डर/ट्रेड पुष्टिकरण भेजेगा।
9. ग्राहक जानता है कि इंटरनेट पर ट्रेडिंग में कई अनिश्चित कारक शामिल होते हैं तथा जटिल हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रणालियां, संचार लाइनें, बाह्य उपकरण आदि रुकावटों एवं अव्यवस्थाओं के प्रति अतिसंवेदनशील होते हैं। स्टॉक ब्रोकर एवं एक्सचेंज इस बात का कोई निरूपण नहीं करते या गारंटी नहीं देते कि IBT सेवा बिना किसी रुकावट के हर समय ग्राहक के लिए उपलब्ध होगी।
10. ग्राहक, स्टॉक ब्रोकर के IBT सिस्टम या सेवा या एक्सचेंज की सेवा या प्रणालियों के किसी भी निलंबन, रुकावट, अनुपलब्धता या स्टॉक ब्रोकर/एक्सचेंजों के नियंत्रण से परे किसी भी कारण से ग्राहक/स्टॉक ब्रोकर/एक्सचेंज पर किसी भी लिंक/प्रणाली की विफलता के कारण अपने आदेशों के निष्पादन न होने पर, एक्सचेंज या स्टॉक ब्रोकर के खिलाफ कोई दावा नहीं करेगा।

## પરિશિષ્ટ - 5

### મૂડીબજાર અને ડેરિવેટિવ્સ સેગમેન્ટ માટે રિસ્ક ડિસ્ક્લોઝર ડોક્યુમેન્ટ

આ દસ્તાવેજમાં સ્ટોક એક્સચેન્જસના ઈફિવેટી/ડેરિવેટિવ્સ સેગમેન્ટમાં ટ્રેડિંગ કરવાને લગતી મહત્વની માહિતી છે. તમામ સંબંધિત હિસ્સેદારોએ એક્સચેન્જના ઈફિવેટી/ડેરિવેટિવ્સ સેગમેન્ટમાં સોદા કરતા પહેલા આ દસ્તાવેજ વાંચવું જોઈએ.

સ્ટોક એક્સચેન્જ/SEBI સ્વતંત્ર રીતે કે સંયુક્ત રીતે કોઈ બાંધકારી આપતા નથી કે આ ખુલાસા દસ્તાવેજ પૂર્ણ છે અથવા તે પૂર્ણ હોવા અંગે કે ચોક્કસ અંગે કોઈ રજુઆત કરવામાં આવતી નથી, તેમજ સ્ટોક એક્સચેન્જ/SEBI ટ્રેડિંગ સેગમેન્ટમાં કોઈપણ હિસ્સેદારનું સમર્થન કે પ્રચાર કરતા નથી. આ ટૂંકા ખુલાસાના નિવેદનમાં ટ્રેડિંગના તમામ જોખમો અને અન્ય મહત્વના પાસાને આવરી લેવાયા નથી.

સંલગ્ન જોખમોના સંદર્ભમાં, તમે જેમાં પ્રવેશવાના છો તે સંબંધની પ્રકૃતિને બરાબર સમજો અને તમારા માટે કેટલું જોખમ છે તે સમજો પછી જ તમારે સોદા કરવા જોઈએ.

તમારે એ હકીકત જાણવી અને સમજવી જોઈએ કે ઈફિવેટી શેર, ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ્સ અથવા સ્ટોક એક્સચેન્જ પર ટ્રેડ થતા અને વિવિધ પ્રકારનું જોખમ ધરાવતા અન્ય સાધનોમાં સોદા કરવા મર્યાદિત સ્ત્રોત/મર્યાદિત રોકાણ અને/અથવા ટ્રેડિંગનો અનુભવ કે ઓછી જોખમ ક્ષમતા ધરાવતી વ્યક્તિ માટે યોગ્ય નથી. તેથી તમારે કાળજીપૂર્વક વિચારવું જોઈએ કે તમારી નાણાકીય સ્થિતિને ધ્યાનમાં રાખતા આ પ્રકારનું સોદા તમારા માટે યોગ્ય ગણાય કે નહીં. જો સ્ટોક એક્સચેન્જમાં તમે સોદા કરો અને તમને વિપરીત પરિણામો અથવા નુકસાન જાય તો, તેના માટે માત્ર તમે જવાબદાર હશો અને સ્ટોક એક્સચેન્જ/તેના ક્લિયરિંગ કોર્પોરેશન અને/અથવા SEBI તેના માટે કોઈપણ રીતે જવાબદાર રહેશે નહીં, અને એવી અરજી નહીં કરી શકાય કે સંકળાયેલા જોખમ અંગે પૂરતા પ્રમાણમાં ખુલાસો કરવામાં આવ્યો ન હતો અથવા સંબંધિત સ્ટોક બ્રોકર દ્વારા તમને જોખમની સંપૂર્ણ માહિતી આપવામાં આવી ન હતી. ભાગ લેનારાઓ તમામ પરિણામ માટે પોતે જવાબદાર હશે અને તેના અંગે કોઈ કરાર થઈ શકશે નહીં. તમારે એ માનીને સ્વીકૃતિ આપવી જોઈએ અને સ્વીકારવું જોઈએ કે સ્ટોક એક્સચેન્જમાં ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટની ખરીદી અને/અથવા વેચાણ પર નફો થવાની કે ખોટ નહીં થવાની કોઈ ગેરંટી આપી શકાય નહીં.

તમારે એ સ્પષ્ટ રીતે સમજવું જોઈએ કે સ્ટોક બ્રોકર મારફત સ્ટોક એક્સચેન્જમાં તમારા સોદા સ્ટોક બ્રોકર દ્વારા નક્કી કરવામાં આવેલી કેટલીક વિધિને પૂર્ણ કરવાને આધિન રહેશે, તેમાં તમારા ગ્રાહકને જાણો ફોર્મ ભરવું, અધિકારો અને ફરજોનું વાંચન, શું કરવું અને શું ન કરવું તેનું વાંચન વગેરે સામેલ છે, તથા તે સંબંધિત સ્ટોક એક્સચેન્જસના નિયમો, પેટાનિયમો અને નિયમનો, તેના ક્લિયરિંગ કોર્પોરેશનો, SEBI દ્વારા નિર્ધારિત માર્ગદર્શિકા અને સમયાંતરે અમલમાં મુકેલ પરિપત્રોને આધિન છે જે સ્ટોક એક્સચેન્જ અથવા તેના ક્લિયરિંગ કોર્પોરેશનો દ્વારા સમયાંતરે જાહેર કરાઈ શકાશે.

સ્ટોક એક્સચેન્જ કોઈ સલાહ આપતા નથી કે તે માટેની ભલામણ કરતા નથી અને સ્ટોક એક્સચેન્જસના કોઈપણ સ્ટોક બ્રોકર સાથે કે આ દસ્તાવેજમાં સમાવિષ્ટ કોઈપણ માહિતીના આધારે કોઈપણ ત્રીજા પક્ષકાર સાથે વ્યવસાયના સંબંધમાં દાખલ થયેલ કોઈપણ વ્યક્તિને જવાબદાર રહેશે નહીં. આ દસ્તાવેજમાં આપવામાં આવેલી કોઈપણ માહિતીને વ્યાપારની સલાહ ગણવી જોઈએ નહીં. આ પ્રકારના સોદા સાથે સંકળાયેલ જોખમોને સમજ્યા વગર કે તેની સમીક્ષા વગર સોદાનો કોઈ વિચાર કરવો જોઈએ નહીં. તમને કોઈ બાબતની શંકા હોય તો, તેના માટે વ્યવસાયિક સલાહ મેળવો.

સોદા કરવા કે નહીં અથવા બીજાને સોદા કરવાની સત્તા આપવી કે નહીં તે નક્કી કરતા પહેલાં તમારે નીચેની બાબતોથી વાકેફ થવું જરૂરી છે:

#### 1. પાયાના જોખમો:

##### 1.1 વધારે વોલેટિલિટી (અસ્થિરતા)નું જોખમ:

સ્ટોક એક્સચેન્જમાં ટ્રેડિંગ પ્રવૃત્તિ ચાલુ હોય ત્યારે સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટમાં ગતિશીલ ઉત્તાર-ચઢાવ આવે તેને વોલેટિલિટી કહે છે. સામાન્ય રીતે, સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટમાં વોલેટિલિટી જેમ વધારે તેમ તેના ભાવમાં વધારે ઉત્તાર-ચઢાવ આવે છે. ઓછી ટ્રેડ થતી સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટમાં સક્રિય સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટની સરખામણીમાં વધારે વોલેટિલિટી હોઈ શકે છે. વોલેટિલિટીના પરિણામે, તમારા ઓર્ડર આંશિક રીતે અમલ થાય અથવા બિલકુલ અમલ ન થાય તેવી શક્યતા રહે છે અથવા તમારો ઓર્ડર જે ભાવે અમલમાં મૂકાય તે ભાવ છેલ્લા ટ્રેડ થયેલા ભાવ કરતા ઘણો અલગ હોય અથવા ત્યારબાદ બદલાય તેવી શક્યતા રહે છે તેથી કાલ્પનિક અથવા વાસ્તવિક નુકસાન થઈ શકે.

## 1.2 નીચી તરલતાનું જોખમ:

બજારના હિસ્સેદારો સ્પર્ધાત્મક ભાવે અને ઓછામાં ઓછા ભાવના તફાવતે ઝડપથી સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટનું વેચાણ અને/અથવા ખરીદી કરી શકે તેને તરલતા કહે છે. સામાન્ય રીતે, એવું માનવામાં આવે છે કે બજારમાં જેટલા પ્રમાણમાં ઓર્ડર વધારે હશે એટલી તરલતા વધુ રહેશે. તરલતા મહત્ત્વપૂર્ણ છે કારણ કે તરલતા વધારે હોય તો રોકાણકારો ઝડપથી અને ભાવના લઘુત્તમ તફાવત સાથે સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સની ખરીદી અને/અથવા વેચાણ કરી શકે છે, અને પરિણામે રોકાણકારોને ખરીદવામાં આવેલા કે વેચાયેલા સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ માટે વધુ સ્પર્ધાત્મક ભાવ મળવાની શક્યતા રહે છે. સક્રિય સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટની સરખામણીમાં કેટલીક સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટમાં તરલતાનું પ્રમાણ નીચું રહેવાનું જોખમ હોઈ શકે છે. પરિણામે, તમારા ઓર્ડર આંશિક રીતે અમલમાં મૂકાઈ શકે અથવા ભાવના મોટા તફાવત સાથે અમલમાં થઈ શકે કે બિલકુલ અમલ ન થાય તેવી શક્યતા રહે છે.

1.2.1 ડે ટ્રેડિંગની વ્યૂહરચનાના ભાગરૂપે સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ વેચવા કે ખરીદવામાં પણ નુકસાન જવાની શક્યતા રહી શકે છે કારણ કે આવી સ્થિતિમાં સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ અપેક્ષિત ભાવના સ્તર કરતા નીચા/ઊંચા ભાવે વેચાણ/ખરીદાયા હોઈ શકે છે, જેથી કોઈ ઓપન પોઝિશન ન હોય અથવા સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ ડિલિવર કરવાની કે સ્વીકારવાની ફરજ ન હોય.

## 1.3 વિસ્તૃત સ્પેડનું જોખમ:

સ્પેડ એ શ્રેષ્ઠ ખરીદ ભાવ અને શ્રેષ્ઠ વેચાણ ભાવ વચ્ચેનો તફાવત છે. તે સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ ખરીદવાના ભાવ અને તરત વેચવાના તથા તેનાથી ઊંધી સ્થિતિમાં તફાવત દર્શાવે છે. ઓછા તરલ કે બિન તરલ સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ માટે ઓછી તરલતા અને વધારે તરલતા હોય ત્યારે સામાન્ય કરતા વધારે સ્પેડ થઈ શકે છે. તેનાથી અંતે વધુ સારા ભાવની રચનાને અસર થશે.

## 1.4 જોખમ ઘટાડતા ઓર્ડર:

નુકસાનને અમુક રકમની મર્યાદા સુધી ઘટાડવા માટેના ઓર્ડર મૂકવા (જેમ કે “સ્ટોપ લોસ” ઓર્ડર, અથવા “લિમિટ” ઓર્ડર) ઘણી વાર અસરકારક પુરવાર નહીં થાય કારણ કે બજારની સ્થિતિમાં ઝડપી હિલચાલથી આવા ઓર્ડરનો અમલ કરવો અશક્ય બની જશે.

1.4.1 વિરુદ્ધ બાજુએ કેટલા ઓર્ડર ઉપલબ્ધ છે, તેના આધારે ભાવ ગમે તે હોય, “માર્કેટ” ઓર્ડરનો તાત્કાલિક અમલ થશે, અને ગ્રાહકને “માર્કેટ” ઓર્ડરનું તત્કાળ અમલીકરણ મળી શકે છે પરંતુ અમલીકરણ બાકી રહેલ ઓર્ડરના ઉપલબ્ધ ભાવે થઈ શકે છે જે ઓર્ડરન જથ્થાને, ભાવના સમયની પ્રાથમિકતાના આધારે અલમમાં મુકાય છે. અહીં એ સમજવું આવશ્યક છે કે છેલ્લે ટ્રેડ થયેલા ભાવ કરતા અથવા તે સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટના શ્રેષ્ઠ ભાવ કરતા આ ભાવ ઘણો અલગ હોઈ શકે છે.

1.4.2 “લિમિટ” ઓર્ડર ત્યારે જ અમલી બનશે જ્યારે તે ઓર્ડર માટે નક્કી કરાયેલી “લિમિટ” ના ભાવ અથવા વધુ સારા ભાવે પહોંચે. ગ્રાહકને ભાવમાં રક્ષણ મળે છે ત્યારે સાથે સાથે તે ઓર્ડર અમલ જ ન થાય તેવી પણ શક્યતા રહે છે.

1.4.3 સ્ટોપ લોસ ઓર્ડર સામાન્ય રીતે સ્ટોક/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટના વર્તમાન ભાવથી “દૂર” ના ભાવે મૂકાય છે અને આવા સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ સ્ટોપ પ્રાઈસ પર પહોંચે અથવા તે ભાવ પર ટ્રેડ થાય ત્યારે ઓર્ડર સક્રિય થાય છે. સામાન્યપણે સેલ સ્ટોપ ઓર્ડર ચાલુ ભાવથી નીચા ભાવે મૂકવામાં આવે છે, જ્યારે બાય સ્ટોપ ઓર્ડર ચાલુ ભાવથી ઊંચા ભાવે મૂકાય છે. જ્યારે સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ પૂર્વનિર્ધારિત ભાવે પહોંચે અથવા તે ભાવે ટ્રેડ થાય ત્યારે સ્ટોપ લોસ ઓર્ડર માર્કેટ/લિમિટ ઓર્ડરમાં રૂપાંતરિત થાય છે અને તે લિમિટ પર અથવા વધુ સારા ભાવે અમલી બને છે. લિમિટ ઓર્ડર અમલમાં આવશે જ તેની કોઈ ખાતરી નથી કારણ કે સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ પૂર્વનિર્ધારિત ભાવને છેદી શકે છે, અને આવા કિસ્સામાં આવા ઓર્ડર અમલમાં ન મૂકાય તેવી શક્યતા ઊભી થાય છે જે સામાન્ય લિમિટ ઓર્ડરમાં પણ હોય છે.

## 1.5 સમાચારની જાહેરાત થવાનું જોખમ:

સ્ટોક/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટના ભાવને અસર કરી શકે તેવા સમાચારની જાહેરાત ટ્રેડિંગ દરમિયાન થઈ શકે છે, અને નીચી તરલતા અને ઊંચી વોલેટિલિટી હોય ત્યારે સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટના ભાવમાં અણધારી હકારાત્મક અથવા નકારાત્મક હિલચાલ થઈ શકે છે.

## 1.6 અફવાઓનું જોખમ:

કંપનીઓ/ચલણો વિશે બજારમાં ઘણી વાર મોઢેથી, અખબારો, વેબસાઈટ અથવા ન્યૂઝ એજન્સીઓ વગેરે દ્વારા અફવાઓ ફેલાય છે. રોકાણકારોએ સાવધ રહેવું જોઈએ અને અફવાઓના આધારે પગલાં ન લેવા જોઈએ.

## 1.7 સિસ્ટમનું જોખમ:

બજાર ખૂલે ત્યારે અને બંધ થાય તે પહેલાં ઘણી વાર ઊંચા વોલ્યુમમાં ટ્રેડિંગ થાય છે. આવું ઊંચું વોલ્યુમ દિવસમાં કોઈપણ સમયે રચાઈ શકે છે. તેનાથી ઓર્ડરના અમલીકરણ અથવા પુષ્ટિમાં વિલંબ થઈ શકે છે.



1.7.1 વોલેટિલિટીના સમયગાળામાં, બજારના હિસ્સેદારો તેમના ઓર્ડરનો જથ્થો અથવા ભાવો સતત સુધારતા રહે અથવા નવો ઓર્ડર મૂકતા રહે તો ઓર્ડરના અમલીકરણ અને તેની પુષ્ટિમાં વિલંબ થઈ શકે છે.

1.7.2 બજારની ચોક્કસ સ્થિતિમાં, પોઝિશનને બજારમાં વાજબી ભાવે અથવા કોઈપણ ભાવે વટાવવી મૂશ્કેલ અથવા અશક્ય બની શકે છે, જ્યારે ખરીદી કે વેચાણની બાજુએ કોઈ બાકી ઓર્ડર નીકળતા ન હોય અથવા કોઈ અસામાન્ય ટ્રેડિંગ પ્રવૃત્તિ અથવા સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ સર્કિટ લિમિટ ફિલ્ટરને સ્પર્શી જાય અથવા બીજું કોઈ કારણ હોય તેના કારણે સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટમાં ટ્રેડિંગ અટકાવવામાં આવે.

### 1.8. સિસ્ટમ/નેટવર્ક ગીચ થઈ જવી:

એક્સચેન્જમાં ટ્રેડિંગ ઇલેક્ટ્રોનિક રીતે, સેટેલાઈટ/લીઝ્ડ લાઈન આધારિત કોમ્યુનિકેશનથી થાય છે જેમાં ટેકનોલોજી તથા કમ્પ્યુટર સિસ્ટમ એમ બંનેનો સંયુક્તમાં ઉપયોગ કરીને ઓર્ડર પ્લેસ અને રૂટ કરવામાં આવે છે. તેથી, કોમ્યુનિકેશન નિષ્ફળ જવાની અથવા સિસ્ટમની સમસ્યા પેદા થવાની કે સિસ્ટમ તરફથી ધીમો કે વિલંબિત પ્રતિભાવ મળવાની કે ટ્રેડિંગ અટકી જવાની શક્યતા રહે છે અથવા કોઈ એવી સમસ્યા/ખામી પેદા થઈ શકે જેમાં ટ્રેડિંગ સિસ્ટમ/નેટવર્કને એક્સેસ કરી ન શકાય જે નિયંત્રણથી બહાર હોય અને જેનાથી પ્રોસેસિંગમાં વિલંબ થઈ શકે અથવા આંશિક રીતે કે પૂર્ણ રીતે ખરીદી કે વેચાણના ઓર્ડરનું પ્રોસેસિંગ ન થઈ શકે. તમને એ નોંધવા માટે સાવધ કરવામાં આવે છે કે આવી સમસ્યા કામચલાઉ પ્રકારની હોઈ શકે છે, પરંતુ તમારી પાસે બાકી રહેલી ઓપન પોઝિશન અથવા અમલ ન થયેલા ઓર્ડર હોય ત્યારે તમામ એક્ઝિક્યુટ થયેલા સોદાને સેટલ કરવાની તમારી જવાબદારીના કારણે તમારા માટે જોખમી બની શકે છે.

2. ડેરિવેટિવ્સ સેગમેન્ટને લાગે વળગે છે ત્યાં સુધી, નીચેની વધારાની વિશેષતાઓની નોંધ કરો અને તમારી જાતને તેનાથી વાકેફ કરો:

### 2.1 “લિવરેજ” અથવા “ગિયરિંગ” ની અસર:

ડેરિવેટિવ્સ માર્કેટમાં, ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટના મૂલ્યની સરખામણીમાં માર્જિનની રકમ બહુ નાની હોય છે, તેથી સોદા “લિવરેજ” અથવા “ગિયર” થાય છે. પ્રમાણમાં નાના માર્જિનથી કરવામાં આવતા ડેરિવેટિવ્સ સોદા, માર્જિનની રકમના સાપેક્ષમાં ભારે ખોટ અથવા નફો કરવાની શક્યતા ધરાવે છે. પરંતુ ડેરિવેટિવ્સમાં સોદા કરવામાં ભારે જોખમ રહેલું છે.

તેથી ડેરિવેટિવ્સમાં સોદા કરતા પહેલાં તમારે નીચેના નિવેદનને બરાબર સમજી લેવું જોઈએ અને પોતાના સંજોગો, નાણાકીય સ્ત્રોત વગેરેને ધ્યાનમાં રાખીને સાવધાનીથી ટ્રેડિંગ કરવાની સલાહ આપવામાં આવે છે. જો ભાવની હિલચાલ તમારાથી વિપરીત હોય તો, તમે ટૂંકાગાળામાં તમે માર્જિનની રકમ આંશિક અથવા સંપૂર્ણપણે ગુમાવી શકો છો. આ ઉપરાંત, માર્જિનની અસલ રકમ કરતા ખોટ વધી પણ શકે છે.

અ. ફ્યુચર્સ ટ્રેડિંગમાં તમામ પોઝિશનનું દૈનિક સેટલમેન્ટ થાય છે. દરરોજ ઈન્ડેક્સ/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટના બંધ ભાવના આધારે ઓપન પોઝિશનને માર્કેટ ટુ માર્કેટ કરવામાં આવે છે. જો કોન્ટ્રાક્ટ તમારાથી વિરુદ્ધ હોય તો, આવી હિલચાલથી તમને ગયેલા નુકસાન (કાલ્પનિક)ની રકમ તમારે જમા કરવી પડશે. આ રકમ નિર્ધારિત સમય-મર્યાદામાં ચૂકવવાની રહેશે, સામાન્ય રીતે બીજા દિવસે ટ્રેડિંગ શરૂ થવા અગાઉ ચૂકવવી પડશે.

બ. જો તમે અંતિમ મર્યાદા સુધીમાં વધારાની રકમ જમા કરવામાં નિષ્ફળ જાવ કે તમારા એકાઉન્ટમાં દેવું બાકી નીકળતું હશે તો સ્ટોક બ્રોકર તમારી સમગ્ર કે આંશિક પોઝિશન અથવા સિક્યોરિટીને વેચી શકે છે. આવા કિસ્સામાં, આવા વેચાણના કારણે તમને થયેલા નુકસાન બદલ તમે જવાબદાર રહેશો.

ક. બજારની ચોક્કસ સ્થિતિમાં, રોકાણકારને સોદો કરવાનું મૂશ્કેલ અથવા અશક્ય જણાઈ શકે છે. ઉદાહરણ તરીકે, બિનતરલતા જેવા પરિબળોના કારણે આવી સ્થિતિ સર્જાઈ શકે છે જ્યારે અપૂરતા પ્રમાણમાં બિડ કે ઓફર હોય અથવા પ્રાઈસ લિમિટ કે સર્કિટ બ્રેકરના કારણે ટ્રેડિંગ રદ કરવામાં આવ્યું હોય.

ડ. બજારમાં સ્થિરતા જાળવવા માટે, નીચેના પગલાં સ્વીકારી શકાશે: માર્જિન રેટમાં ફેરફાર, કેશ માર્જિન રેટ અથવા અન્યમાં વધારો. આ નવા પગલાં વર્તમાન ઓપન ઈન્ટરેસ્ટને પણ લાગુ થઈ શકે છે. આવી સ્થિતિમાં, તમારે વધારાનું માર્જિન મૂકવું પડશે અથવા તમારી પોઝિશન ઘટાડવી પડશે.

ઈ. તમે તમારા બ્રોકરને તમે જેમાં ટ્રેડ કરવા માંગતા હો તે ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટની તમામ વિગત પૂરી પાડવા જણાવી શકો છો, જેમ કે કોન્ટ્રાક્ટની વિશેષ માહિતી અને સંલગ્ન જવાબદારીઓ.

## 2.2 ચલણને લગતા જોખમો:

1. વિદેશી ચલણના કોન્ટ્રાક્ટ જ્યારે તમારા અથવા અન્યના અધિકાર ક્ષેત્રમાં ટ્રેડ થતા હોય ત્યારે તેના સોદામાં નફો અથવા નુકસાન ચલણના દરમાં ફેરફારથી અસર પામશે જ્યાં કોન્ટ્રાક્ટના કરન્સી ડિનોમિનેશનને અન્ય ચલણમાં રૂપાંતર કરવાની જરૂર પેદા થાય.
2. બજારની ચોક્કસ સ્થિતિમાં, કોઈ પોઝિશનને તરલ કરવી મુશ્કેલ અથવા અશક્ય બની જઈ શકે છે. જ્યારે કોઈ ચલણને નિયંત્રણમુક્ત કરવામાં આવે અથવા ડિફ્લેટ ટ્રેડિંગ બેન્ડ વિસ્તારાય ત્યારે આમ થઈ શકે છે.
3. ચલણના ભાવો વધુ પ્રમાણમાં વોલેટાઈલ હોય છે. અન્ય ચીજો ઉપરાંત : ચલણના ભાવમાં હિલચાલ માટે માંગ પુરવઠાની બદલતી સ્થિતિ; ટ્રેડ, રાજકોષીય, નાણાકીય, એક્સચેન્જ નિયંત્રણ કાર્યક્રમો અને સરકારની નીતિઓ; વિદેશી રાજકીય અને આર્થિક ઘટનાઓ અને નીતિઓ; રાષ્ટ્રીય અને આંતરરાષ્ટ્રીય વ્યાજદર અને કુગાવામાં ફેરફારો; ચલણનું અવમૂલ્યન; અને બજારના સેન્ટિમેન્ટ ભાગ ભજવે છે. કોઈ વ્યક્તિગત સલાહકાર દ્વારા આ પરિબલો પર નિયંત્રણ લાવી શકાતું નથી કે સલાહકારની સલાહના આધારે હિસ્સેદાર રોકાણકારને લાભ મળશે અથવા ગ્રાહકને આવી સ્થિતિમાં ખોટ નહીં જાય તેવી કોઈ ખાતરી આપી શકાતી નથી.

## 2.3 ઓપ્શન ધારકોના જોખમો:

1. ઓપ્શન ધારક ઓપ્શન માટે ચૂકવાયેલ સમગ્ર રકમ પ્રમાણમાં ટૂંકા સમયગાળામાં ગુમાવવાનું જોખમ ધરાવે છે. આ જોખમ ઓપ્શનની પ્રકૃતિ દર્શાવે છે જ્યારે તે એક્સપાયર થાય ત્યારે મૂલ્યહીન બની જાય છે. કોઈ ઓપ્શન હોલ્ડર તેના ઓપ્શનને સેકન્ડરી માર્કેટમાં વેચે નહીં અથવા તેની એક્સપાયરી અગાઉ પણ વટાવે નહીં તો તે ઓપ્શનમાં કરવામાં આવેલું સંપૂર્ણ રોકાણ આવશ્યક રીતે ગુમાવશે. ઓપ્શન એક્સપાયર થાય તે પહેલાં અંડરલાઈંગના ભાવ અપેક્ષિત દિશામાં ન ચાલે અને ઓપ્શન ખર્ચને કવર ન કરે તો રોકાણકાર ઓપ્શનમાં કરવામાં આવેલા રોકાણનો સમગ્ર અથવા આંશિક હિસ્સો ગુમાવશે.
2. ચોક્કસ સંજોગોમાં ચોક્કસ સમયે શેરબજાર એક્સર્સાઈઝ પર નિયંત્રણ મૂકી શકે છે અને ઓપ્શનના એક્સર્સાઈઝને નિયંત્રણ કરવાની તેની પાસે પૂરી સત્તા છે.

## 2.4 ઓપ્શન રાઈટર્સના જોખમો:

1. અંડરલાઈંગના ભાવની હિલચાલ અપેક્ષિત દિશામાં ન હોય તો ઓપ્શન રાઈટર નોંધપાત્ર રકમ ગુમાવે તેવું જોખમ રહે છે.
2. સમાન અંડરલાઈંગ ઈન્ટરેસ્ટના અન્ય ઓપ્શન ખરીદીને ઓપ્શન રાઈટર પોતાના પરનું જોખમ ઘટાડી શકે છે, જેમાં સ્પ્રેડ પોઝિશન લેવામાં આવે છે અથવા ઓપ્શન માર્કેટ કે અન્ય માર્કેટમાં અન્ય પ્રકારની હેજિંગ પોઝિશન મેળવવામાં આવે છે. જોકે, રાઈટર જ્યાં સ્પ્રેડ કે અન્ય હેજિંગ પોઝિશન લીધી હોય ત્યાં પણ જોખમ ઊંચા પ્રમાણમાં હોઈ શકે છે. સ્પ્રેડ પોઝિશન સરળ 'લોંગ' અથવા 'શોર્ટ' પોઝિશન કરતા ઓછી જોખમી નથી.
3. એવા સોદા જેમાં સંયુક્ત રીતે બાઈંગ અથવા મલ્ટિપલ ઓપ્શન રાઈટિંગ હોય અથવા અંડરલાઈંગ ઈન્ટરેસ્ટને શોર્ટ કરીની ખરીદી કે વેચાણ કરવામાં આવતા હોય તેવા સોદા સાથે સંયુક્ત રીતે બાઈંગ કે રાઈટિંગ ઓપ્શન હોય ત્યારે જોખમ વધી જાય છે. સંયુક્ત ટ્રાન્ઝેક્શન, જેમ કે ઓપ્શન સ્પ્રેડ એ સિંગલ ઓપ્શન ખરીદી કે રાઈટિંગ કરતા વધારે જટિલ હોય છે. અને એ બાબતની નોંધ લેવી જોઈએ કે રોકાણના કોઈ પણ ક્ષેત્રમાં જો કોઈ જટિલતાને બરાબર સમજવામાં ન આવે તો તે સ્વયં એક જોખમનું પરિબલ બની જાય છે. કહેવાનો અર્થ એવો નથી કે સંયુક્ત સ્ટ્રેટેજીનો વિચાર કરવો જોઈએ નહીં, પરંતુ તમામ રોકાણના વિકલ્પોની સાથે અહીં પણ એવી સલાહ આપવામાં આવે છે કે બજારની વિવિધ સ્થિતિમાં સંયુક્ત ટ્રાન્ઝેક્શન સાથે સંકળાયેલા જોખમો અને વળતર વિશે અનુભવી અને જાણકાર વ્યક્તિ સાથે વિચાર-વિમર્શ કરવામાં આવે.

## 3. વાયરલેસ ટેકનોલોજી/સ્માર્ટ ઓર્ડર રાઉટિંગ અથવા અન્ય કોઈ ટેકનોલોજી મારફતે ટ્રેડિંગ:

વાયરલેસ ટેકનોલોજી/સ્માર્ટ ઓર્ડર રાઉટિંગ અથવા અન્ય કોઈ પણ ટેકનોલોજી મારફતે સિક્યોરિટીના ટ્રેડિંગ સાથે સંલગ્ન કોઈ પણ વિશેષતાઓ, જોખમો, જવાબદારીઓ, ફરજો અને બોજને કોઈ અન્ય રીતે વ્યાખ્યાયિત કરવામાં આવતું હોય તો સ્ટોક બ્રોકર મારફત તે ક્લાયન્ટના ધ્યાને લાવવું જોઈએ.

## 4. સામાન્ય

4.1 'હિસ્સેદાર' શબ્દના અર્થમાં ક્લાયન્ટ, ગ્રાહક અથવા રોકાણકાર સામેલ છે જે એક્સચેન્જ દ્વારા પૂરા પાડવામાં આવેલા મિકેનિઝમ મારફત સિક્યોરિટી/ડેરિવેટિવ્સ કોન્ટ્રાક્ટ ખરીદવા અને/અથવા વેચવા સ્ટોક બ્રોકર સાથે સોદા કરે છે.

4.2 'સ્ટોક બ્રોકર' શબ્દનો અર્થ શેર દલાલ, દલાલ અથવા સ્ટોક બ્રોકર થાય છે, જેને એક્સચેન્જ દ્વારા સામેલ કરવામાં આવેલ હોય અને જે સેબીનું રજિસ્ટ્રેશન પ્રમાણપત્ર ધરાવતા હોય.

## પરિશિષ્ટ-6

### માર્ગદર્શન નોંધ - રોકાણકારો માટે એક્સચેન્જ(સ) પર ટ્રેડિંગ કરવા માટે શું કરવું અને શું ન કરવું

#### ટ્રેડ કરવાનું શરૂ કરો તે પહેલાં

1. તમે સેબી દ્વારા નોંધણી પ્રાપ્ત મધ્યસ્થીઓ દ્વારા અને સાથે વ્યવહાર કરી રહ્યાં છો, તેની ખાતરી કરો. સ્ટોક એક્સચેન્જસ [www.exchange.com](http://www.exchange.com) અને SEBI વેબસાઇટ [www.sebi.gov.in](http://www.sebi.gov.in) પર ઉપલબ્ધ યાદીમાંથી તમે તેઓની SEBI નોંધણી પ્રમાણપત્ર ક્રમાંક ચકાસી શકો છો.
2. તમે KYC ફોર્મ સંપૂર્ણપણે ભર્યું છે અને KYCમાં ખાલી જગ્યા છેકી નાંખી છે, તેની ખાતરી કરો.
3. તમે સ્ટોક બ્રોકરના હક્ક અને ફરજ, રિસ્ક ડિસ્ક્લોઝર ડોક્યુમેન્ટ, કાર્યનીતિ અને પ્રક્રિયા જેવા તમામ ફરજિયાત દસ્તાવેજો વાંચી લીધા છે, તેની ખાતરી કરો.
4. તમારા અને સ્ટોક બ્રોકર વચ્ચે સંમતિની જો કોઈ સ્વૈચ્છિક કલમો હોય તો તેને વાંચો, સમજો તેની ખાતરી કરો અને પછી હસ્તાક્ષર કરો. યાદ રાખો કે તમારા સ્ટોક બ્રોકરો વચ્ચે સંમતિથી થયેલી કલમોને તમારી સંમતિ વગર ન બદલી શકાય.
5. ટ્રેડિંગ માટે સ્ટોક બ્રોકર દ્વારા તમારા પર લાદવામાં આવતા તમામ પ્રકારના બ્રોકરેજ, કમિશન, ફી અને અન્ય દરો અંગે તેમજ સેબી/સ્ટોક એક્સચેન્જસ દ્વારા સ્પષ્ટ કરેલી જોગવાઈઓ/માર્ગદર્શિકાઓ અંગે સ્પષ્ટતા મેળવો.
6. સ્ટોક બ્રોકર તરફથી ઉપયોગમાં લેવામાં આવેલા તમામ દસ્તાવેજોની નકલો મફત મેળવો.
7. જો તમે તમારા બેંક અને ડીમેટ એકાઉન્ટની કામગીરી સંભાળવા માટેની સત્તા સ્ટોક બ્રોકરને સોંપવા તેમની તરફેણમાં પાવર ઓફ એટર્ની (પીઓએ) લાગુ કરવા માગતા હોવ તો આ સંદર્ભે SEBI/એક્સચેન્જસ દ્વારા જારી કરવામાં આવેલી માર્ગદર્શિકા વાંચો.

#### ટ્રાન્ઝેક્શન્સ અને સેટલમેન્ટ

8. જો તમે લેખિતમાં વિશેષરૂપે સત્તા સોંપી હોય તો સ્ટોક બ્રોકર ઇલેક્ટ્રોનિક કોન્ટ્રાક્ટ નોટ્સ (ECN) જારી કરી શકે છે. આ માટે તમારે સ્ટોકબ્રોકરને ઇમેઇલ આઈડી મોકલવો જોઈએ. જો તમે કોમ્પ્યુટરથી પરિચિત ન હોવ તો ECN નો વિકલ્પ પસંદ ન કરશો.
9. કોઈની પણ સાથે ઇન્ટરનેટ ટ્રેડિંગ પાસવર્ડ શેર ન કરો.
10. સ્ટોક બ્રોકરને કોઈપણ ચૂકવણી રોકડમાં ન આપો.
11. સ્ટોક બ્રોકરની તરફેણમાં એકાઉન્ટ પેટી ચેકથી ચૂકવણી કરો. સબ-બ્રોકરના નામે ચેક જારી ન કરશો. સ્ટોક બ્રોકર સાથે રહેલી સિક્યોરિટીઝની તમારી ચૂકવણી/ડિપોઝીટના દસ્તાવેજો પુરાવા જેમાં તારીખ, સ્કિપ, સંખ્યા, કઈ બેંક/ડીમેટ એકાઉન્ટમાં અથવા તેનાથી નાણાં/સિક્યોરિટીઝ જમા કરાવવામાં આવેલ છે, વગેરે માહિતી નોંધેલ હોય તે તમારી પાસે છે તેની ખાતરી કરો.
12. નોંધો કે ટ્રેડ વેરિફિકેશનની સુવિધા સ્ટોક એક્સચેન્જસની વેબસાઇટ પર ઉપલબ્ધ છે કે જ્યાં કોન્ટ્રાક્ટ નોટમાં નોંધાયેલ ટ્રેડની વિગતોની ખરાઈ થઈ શકે છે. જેમાં કોન્ટ્રાક્ટ નોટમાં નોંધેલ વિગતો વેબસાઇટ પરની ટ્રેડની વિગતોમાં મેળ ખાતી ન હોય તો તાત્કાલિક સંબંધિત સ્ટોક એક્સચેન્જના ઇન્વેસ્ટર ગ્રિવેન્સ સેલનો સંપર્ક સાધો.
13. વર્તમાન એકાઉન્ટને ચલાવવા માટે જો તમે વિશેષ સત્તા સોંપી હોય તો, એક્સચેન્જમાંથી ચૂકવણી મળ્યાંના એક ચાલુ દિવસની અંદર ડ્રોની ચૂકવણી કે સિક્યોરિટીઝની ડિલિવરી (તેવો કિસ્સો હોઈ શકે છે) તમને મળી ન પણ શકે. આમ, નીચેની શરતોને આધિન સ્ટોક બ્રોકર નીચેનું ચાલુ એકાઉન્ટ તમારા માટે સંભાળશે.
  - અ) તમારા તરફથી આવી સત્તા તારીખ આધારિત હોવી જોઈએ, માત્ર તમારી સહી હોવી જોઈએ અને એવી શરતો હોવી જોઈએ જેને તમે ગમે ત્યારે રદ કરવા ઈચ્છી શકો.
  - બ) તમારી પસંદગીના આધારે કેલેન્ડર ક્વાર્ટર અથવા મહિનામાં ઓછામાં ઓછા એક વખત ડ્રો અને સિક્યોરિટીનું વાસ્તવિક સેટલમેન્ટ સ્ટોક બ્રોકર દ્વારા થવું જોઈએ. એકાઉન્ટને સેટિંગ કરતી વખતે, સ્ટોક બ્રોકરે તમને 'એકાઉન્ટનું સ્ટેટમેન્ટ' મોકલવાનું રહેશે, જેમાં ડ્રો માટે ગ્રાહક લેઝરનો ઉતારો અને સિક્યોરિટી રજિસ્ટરનો ઉતારો હોય જેમાં ડ્રો અને સિક્યોરિટીની તમામ રિસિપ્ટ/ડિલિવરી દર્શાવવામાં આવી હોય. સ્ટેટમેન્ટમાં એ પણ જણાવવાનું રહેશે કે કેટલું ડ્રો અને સિક્યોરિટી જાળવવામાં આવી

છે અને કોઈ શેર ગીરવે મૂકવામાં આવ્યો છે કે કેમ.

- ક) સેટલમેન્ટની તારીખે, સ્ટોક બ્રોકર બાકી નીકળતી જવાબદારી માટે આવશ્યક સિક્યોરિટી/ફંડ જાળવી શકે છે અને આગામી 5 ટ્રેડિંગ દિવસ માટે પર્યાપ્ત રહે તે રીતે ડેરિવેટિવ્ઝની માર્જિન પણ રાખી શકે છે, જેની ગણતરી એક્સચેન્જ દ્વારા નક્કી કરવામાં આવેલી રીતે થશે. કેશ માર્કેટના સોદાની વાત કરીએ તો સ્ટોક બ્રોકર ફંડ અને સિક્યોરિટીની તમામ પે-ઇન જવાબદારી પોતાની પાસે રાખી શકે છે જે સેટલમેન્ટના દિવસે ગ્રાહક પાસેથી નીકળવાપાત્ર હોય અને આગામી દિવસના બિઝનેસ માટે તે એટલા પ્રમાણમાં ફંડ/સિક્યોરિટી/માર્જિન રાખી શકે છે, જેનો આધાર કેશ માર્કેટમાં આવા સેટલમેન્ટના દિવસે થયેલા સોદાના મૂલ્યના પ્રમાણમાં હોય.
- ડ) તમારે એકાઉન્ટના સ્ટેટમેન્ટ અથવા સેટલમેન્ટ અંગે કોઈ વિવાદ હોય તો ફંડ/સિક્યોરિટી અથવા સેટલમેન્ટ, જે મળ્યું હોય, તે મળ્યાની તારીખથી કામકાજના 7 (સાત) દિવસની અંદર લેખિતમાં તમારા સ્ટોક બ્રોકરનું ધ્યાન દોરવાનું રહેશે. વિવાદના કિસ્સામાં, આ બાબત કોઈ પણ વિલંબ કર્યા વગર સંબંધિત શેર બજારના ઈન્વેસ્ટર્સ ગ્રિવેન્સ સેલને લેખિતમાં જાણ કરો.
14. તમે ચાલુ એકાઉન્ટ જાળવવાનો વિકલ્પ પસંદ કર્યો ન હોય અને ફંડ/સિક્યોરિટીઝની ચૂકવણી એક્સચેન્જ તરફથી ચૂકવણી થયાના બીજા કામકાજના દિવસે મળી ન હોય તો કૃપા કરીને આ બાબત સ્ટોક બ્રોકરના ધ્યાનમાં લાવો. જો વિવાદ હોય તો, તમે સંબંધિત સ્ટોક એક્સચેન્જના ઈન્વેસ્ટર્સ ગ્રિવેન્સ સેલને તાત્કાલિક લેખિતમાં જાણ કરો.
15. તમારા સ્ટોક બ્રોકરને તમારો મોબાઇલ નંબર અને ઈમેઇલ આઇડી આપો, જેથી ટ્રેડિંગ દિવસના અંતે SMSથી અથવા ઈમેઇલ મારફત સ્ટોક એક્સચેન્જ તરફથી ટ્રેડની પુષ્ટિ કરતા એલર્ટ/ટ્રાન્ઝેક્શનની વિગત મળી રહે.

#### ટ્રેડિંગ સભ્યપદ ખતમ થવાના કિસ્સામાં

16. જો સ્ટોક બ્રોકર તેનું સભ્યપદ પરત સોંપી દે, સભ્યપદમાંથી હકાલપટ્ટી કરવામાં આવે અથવા ડિફોલ્ટર જાહેર કરવામાં આવે તો; સ્ટોક એક્સચેન્જ એક નોટિસ આપીને રોકાણકારો પાસેથી સ્ટોક એક્સચેન્જના માત્ર “ટ્રેડિંગ સિસ્ટમમાં કરવામાં આવેલા ટ્રાન્ઝેક્શન” અંગે ક્લેમ મંગાવશે. નિર્ધારિત સમયગાળામાં આવશ્યક દસ્તાવેજો સાથે સંબંધિત સ્ટોક એક્સચેન્જને તમે તેની ફરીયાદ કરો છો તે બાબતની ખાતરી કરો.
17. તમે તમારા સ્ટોક બ્રોકર સમક્ષ જે રકમ અને/અથવા સિક્યોરિટી જમા કરાવો તેના રક્ષણ અંગે વાકેફ રહો, ખાસ કરીને સ્ટોક બ્રોકર ડિફોલ્ટ થાય અથવા દેવાળું ફુંકે અથવા નાદારી નોંધાવે અને તમે જે રકમ અને/અથવા સિક્યોરિટી પુનઃ મેળવી શકો તેના વિશે વાકેફ રહો જે ટ્રેડ જ્યાં થયું હોય તે સ્ટોક એક્સચેન્જના પેટા નિયમો અને નિયમોને આધિન હોય છે તથા સમયાંતરે લાગુ થતી રોકાણકારોના રક્ષણના ફંડની સ્કીમને આધિન હોય છે.

#### વિવાદો/ફરિયાદો

18. એ બાબતની નોંધ કરો કે આર્બિટ્રેશન કામગીરી, સ્ટ્રોક બ્રોકરો સામે કાયદેસર કાર્યવાહી અને સ્ટોક બ્રોકરો સામેની રોકાણકારોની ફરિયાદોની વિગત સંબંધિત સ્ટોક એક્સચેન્જની વેબસાઇટ પર દર્શાવવામાં આવે છે.
19. સંબંધિત સ્ટોક બ્રોકર/સબ-સ્ટોક બ્રોકર દ્વારા તમારા મુદ્દા/સમસ્યા/ફરિયાદનો નિકાલ ન થાય તો તમે આ બાબત સંબંધિત સ્ટોક એક્સચેન્જ સમક્ષ ઉઠાવી શકો છો. જો તમે તમારી ફરિયાદના નિકાલ અંગે સંતુષ્ટ ન હોવ તો તમે SEBI સમક્ષ આ મુદ્દો ઉઠાવી શકો છો.
20. એ બાબતની નોંધ કરો કે તમામ સ્ટોક બ્રોકરો/સબ-બ્રોકરોને SEBIએ તેના ફરિયાદ નિવારણ વિભાગ/અનુપાલન અધિકારીના ઈમેઇલ ID આપવા જણાવ્યાં છે, જે ખાસ ફરિયાદની નોંધણીના હેતુસર છે.